संपादकीय

बारूदी मंसूबे के बुद्धिजीवी

हमारा देश बुद्धिजीवियों से अटा पड़ा है। हर गली-महोल्ले में आपको थोक के भाव बुद्धिजीवी मिल जाएंगे। यहां चारों तरफ बुद्धिजीवियों की फसल लहलहाती हुई देखी जा सकती है। यह देश बुद्धिजीवियों के बल पर ही चल रहा है, ऐसा हर एक बुद्धिजीवी को लगता है। बुद्धिजीवी ही एक ऐसा प्राणी है जो चौबीसों घंटे सोच-सोचकर मोटा हुआ जाता है। उसकी तोंद बाहर की ओर फूट पड़ती है, चेहरे में अमेरिकन एप्पल की तरह लालिमा पुती हुई दिखाई देती है। बुद्धिजीवी भाति-भांति के होते हैं। ठीक उसी प्रकार जनता चिंतन भी डिफ्रेंट टाइप का होता है। बुद्धिजीवियों के अपने-अपने खेमे होते हैं और उनकी बुद्धि उसी खेमे के चारों ओर चारा चुगती नजर आती है। वे अपने खेमे से बाहर सोचने का दुस्साहस कभी नहीं कर पाते। ये बुद्धिजीवी अगड़े, पिछड़े, तगड़े, पतले, छोटे, बड़े सभी किस्म के होते हैं। ये प्रायः गांव, गली चौराहों से लेकर अखबारों और टी.वी. डिबेट तक सभी जगह बिखरे पड़े हैं।

अगर आज के दौर में बंदे के पास कोई काम न हो तो वे बैठे-बैठे बुद्धिजीवी बन बैठता है। दो-चार किताबों के अंकर सिर ठूंस कर, पांच-छह घटनाओं और उनके सन्दर्भों को रटकर उसके मुखमंडल में बुद्धिजीवी वाला घमण्ड तैरने लगता है। बुद्धिजीवी प्रायः अच्छे और बुरे दोनों प्रकार के होते हैं। यहां अच्छे और बुरे इसलिए कहा गया है कि कुछ बुद्धिजीवी अयंकर वाले होते हैं, जिनकी बुद्धि से विध्वंस का जिन्न प्रकट होता है, जिनकी वाणी से विषैले सर्प बाहर की ओर मुंडी निकालते हैं। अच्छे वाले बुद्धिजीवी सृजन के पक्षधर होते हैं। वे चारों ओर मुस्कुराता हुआ जीवन देखना चाहते हैं। मानवता के फूलों की सुगंध का अनुभव करना चाहते हैं।

डिफ्रेंट टाइप वाले बुद्धिजीवी काम भी डिफ्रेंट करते हैं। इनकी बुद्धि में हमेशा विरोध का कीड़ा कुलबुलाते रहता है। इनकी दृष्टि में नकारात्मकता का मोतियाबिंद होता है। इनके मंसूबे बारूदी होते हैं। इसलिए इन कथित बुद्धिजीवियों को बारूदी बुद्धिजीवी कहा जाने लगा है। ये शब्द मीडिया में खूब उछल-कूद मचाये हुए हैं। अब तक हमने केवल बारूदी सुरंग, बारूदी बम जैसे शब्द सुने थे पर अब बारूदी बुद्धिजीवियों का प्राकट्य हो चुका है। इन बारूदी बुद्धिजीवियों के लक्षण रावण से मेल खाते हैं, कुछ लोग इन्हें रावण के वंश का ही मानने लगे हैं। जिस तरह रावण के पास बुद्धि तो थी पर उसका जोर विध्वंस की तरफ था। ठीक उसी प्रकार आज के ये बुद्धिजीवी बड़े गुस्सैले हैं। ये बात में नहीं कह रहा बल्कि समाज में व्याप्त बुद्धिजीवियों की ही एक जमात बोल रही है क्योंकि बोलना, अनुसंधान करना तो बुद्धिजीवियों का ही काम है।

बारूदी बुद्धिजीवियों के दौर में हम सभी को बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। पता नहीं कौन-सा बुद्धिजीवी किस बात पर कहां से फट पड़े और सामने वाले की धज्जियां उड़ा दे। वैसे भी बारूदी बुद्धिजीवी धज्जियां उड़ाने में एक्पर्ट होते हैं। ये किसी राजनीतिक दल को नहीं बख्शते। तो बाबू चलना संभल-संभल केऽऽ बचना, जरा बचना बारूदी बुद्धिजीवियों से।

दिवाला कोड से भारत के कॉरपोरेट बाजार में आएगी तेजी : एसोचैम

नई दिल्ली (आरएनएस)। उद्योग संगठन एसोचैम ने रविवार को कहा कि ऋणशोधन अक्षमता व दिवाला कोड (आईबीसी) के माध्यम से बैंकों की गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) या खराब ऋण की समस्याओं का सफल समाधान होने से भारत के कॉरपोरेट बांड बाजार में तेजी आएगी। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल के साथ मिलकर एसोचैम द्वारा करवाए गए एक अध्ययन का हवाला देते हुए उद्योग संगठन ने कहा, एसोचैम-क्रिसिल के अध्ययन के अनुसार, आईबीसी के तहत दबाव वाली परिसंपत्तियों के समाधान के लिए समय सीमा में कमी से न सिर्फ निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा बल्कि उनको एएए रेटिंग से कम के बांड का बांड हासिल करने में भी मदद मिलेगी।

एसोचैम ने कहा, देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 17 फीसदी योगदान करने वाला कॉरपोरेट बांड बाजार एएए रेटेड बांड का काफी तवज्जो देता है। आईबीसी द्वारा समयबद्ध तरीके से दबाव वाली परिसंपत्तियों का सफल समाधान करने पर इसमें बदलाव की उम्मीद है। उद्योग संगठन ने कहा कि वर्तमान में करीब 90 फीसदी व्यापार एएए और एए रेटेड बांड तक सीमित है, लेकिन नतीजों की निश्चितता बढ़ने और आईबीसी के कारण तेज समाधान की उम्मीद होने से आने वाले दिनों में कम रेटेड बांड में घरेलू व विदेशी निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ेगी।

एसोचैम के अनुसार, अमेरिका में कॉरपोरेट बांड का योगदान 123 फीसदी और दक्षिण कोरिया में 74 फीसदी है। उद्योग संगठन ने कहा कि ब्राजील, रूस, चीन और यूके जैसे देशों ने दिवाला कानून में सुधार लाने के लिए कदम उठाए हैं। इसके अलावा बड़े संरचनात्मक सुधार के जरिय किए गए हैं। इन कदमों से इन देशों के वित्तीय बाजार में कॉरपोरेट बांड बाजार का काफी विकास हुआ है। अध्ययन के अनुसार, वित्तपोषण की आवश्यकताओं के लिए बांड बाजार में बड़े कॉरपोरेट कर्जदारों की पहुंच को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने व्यक्तिगत व समूह के बैंकों में पहुंच को सीमित करने के लिए मानक लागू किए हैं।

संगठन ने कहा, आईबीसी के साथ-साथ इससे भारतीय बांड बाजार को बढ़ावा मिलेगा।

फ्लिपकार्ट ने बीमा क्षेत्र में रखा कदम, बजाज आलियांज के साथ गठबंधन

नई दिल्ली (आरएनएस)। ऑनलाइन प्रडक्ट बेचनेवाली कंपनी फ्लिपकार्ट ने अब बीमा क्षेत्र में कदम रखा है। सबसे पहले कंपनी मोबाइल फोन्स का इंश्योरेंस किया करेगी। फ्लिपकार्ट ने रविवार को बताया कि उन्हें कॉरपोरेट एजेंट का लाइसेंस मिल गया है, जिसके बाद वह बीमा क्षेत्र में प्रवेश कर रही है। इसके लिए फ्लिपकार्ट ने बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस के साथ टाईअप किया है। कंपनी ने इसे कंप्लीट मोबाइल प्रटेक्शन प्लान (CMP) नाम दिया। इसके प्लान 99 रुपये से शुरू होंगे। इसके तहत फ्लिपकार्ट अपने प्लेटफॉर्म पर बेचे जाने वाले मोबाइल फोन के लिए प्रटेक्शन प्रोग्राम चलाएगी। उसने कहा है कि

10 अक्टूबर से शुरू हो रहे फ्लिपकार्ट के विग बिलियन-डे बिक्री से इसकी शुरुआत होगी। फ्लिपकार्ट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और फिनटेक के प्रमुख रवि गरीकिपती ने कहा, 'अपनी ग्राहक पहले नीति पर आगे बढ़ते हुए और इस क्षेत्र में अग्रणी स्थिति को देखते हुए, अपने ग्राहकों को उनके फोन के लिए बिक्री बाद सुरक्षा देना अगला उपयुक्त कदम है। इसके लिये खरीदारी से लेकर बीमा दावा तक की पूरी योजना, हमारे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के साथ जुड़ी है।'

बजाज आलियांज के प्रबंध निदेशक और सीईओ तपन सिंघल ने बताया कि दोनों कंपनियों ने मोबाइल सुरक्षा योजना के साथ शुरुआत की है। इससे लाखों ग्राहकों को बेहतर सुविधा होगी।

संदीप ने एशियाई पैरा खेलों में भारत को दिलाया पहला गोल्ड मेडल

जकार्ता (आरएनएस)। जैवलिन थ्रोअर संदीप चौधरी ने मौजूदा एशियाई पैरा खेलों में भारत को पहला गोल्ड मेडल दिलाते हुए पुरुषों की एफ 42.44 / 61.64 स्पर्धा में पहला स्थान हासिल किया। संदीप ने 60.01 मीटर का थ्रो लगाकर पहला स्थान हासिल किया। श्री लंका के चमिंडा संपत हेत्ती ने सिल्वर जीता जिसका सर्वश्रेष्ठ प्रयास 59.32 मीटर का था। ईरान के ओमिदी अली (58.97 मीटर) ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। चौधरी एफ 42.44/61.64 वर्ग के खिलाड़ी हैं जो पैरों की लंबाई में विकार, मांसपेशियों की कमजोरी से संबंधित है। भारत ने रविवार को दो सिल्वर मेडल और 3 ब्रॉन्ज जीते थे। पावरलिफ्टिंग में पुरुषों के 49 किलो वर्ग में फरमान बाशा ने रजत पदक जीता जबकि परमजीत कुमार को ब्रॉन्ज मेडल मिला।

पैरा ऐथलीट दीपा मलिक ने टिवटर पर संदीप को बधाई दी। इस बीच तैराकी में देवांशी एस ने महिलाओं की 100 मीटर बटरफ्लाई में सिल्वर जीता जबकि सुयश जाधव ने पुरुषों की 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

शुरुआती कारोबार में रुपया 14 पैसे कमजोर

मुंबई (आरएनएस)। विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी के बीच सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे गिरकर 73.90 पर खुला। मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, अपनी अर्थव्यवस्था संभालने के लिए चीन के केंद्रीय बैंक द्वारा घरेलू नीति को आसान बनाए जाने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर मजबूत हुआ है। इससे भी रुपया पर असर पड़ा है। चीन के केंद्रीय बैंक ने रविवार को 15 अक्टूबर से आरक्षित आवश्यक अनुपात (आरआरआर) में एक प्रतिशत कमी लाने का निर्णय किया है। इससे बैंकिंग प्रणाली में 109.2 अरब डॉलर की अतिरिक्त राशि आएगी। फरिक्स डीलरों का कहना है कि दुनिया के बड़े देशों की मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती का असर रुपये पर भी पड़ा है। शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 18 पैसे टूटकर 73.76 पर बंद हुआ था। दिन में कारोबार के समय यह 74.23 के सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया था।

प्रीमियर बैडमिंटन लीग-4 : नॉर्थ-ईस्टर्न वॉरियर्स की जर्सी में दिखेंगी सायना

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत की अनुभवी महिला बैडमिंटन खिलाड़ी और लंदन ओलम्पिक की कांस्य पदक विजेता सायना नेहवाल को इस साल प्रीमियर बैडमिंटन लीग (पीबीएल) के चौथे सीजन में नॉर्थ ईस्टर्न वॉरियर्स के लिए खेलते देखा जाएगा। राजधानी दिल्ली में आयोजित पीबीएल सीजन-4 की नीलामी में नॉर्थ ईस्टर्न वॉरियर्स ने सायना को 80 लाख रुपये में खरीदा है।

सायना ने पिछले दो सीजन से अवध वॉरियर्स का प्रतिनिधित्व करती आ रही थी, लेकिन इस बार उन्हें नई टीम के साथ पीबीएल की नई शुरुआत करते देखा जाएगा, जिसमें उनका लक्ष्य अपनी टीम को लीग का खिताब दिलाना होगा।

जानिए क्यों किया गया था 'समुद्र मंथन'?

समुद्र मंथन - हिन्दूधर्म की पौराणिक कथाओं में वैसे तो कई कथाएँ प्रचलित हैं।लेकिन देवता और दानवों द्वारा किये गया समुद्र मंथन की कहानी सबसे अधिक प्रसिद्ध हैं।कहा जाता हैं कि मंदार पर्वत को शेषनाग से बांधकर समुद्र का मंथन किया गया था और उस मंथन में समुद्र से ऐसी कई चीजें प्राप्त हुई थी, जो बहुत अमूल्य थी. मंथन से प्राप्त चीजों में से एक चीज़ अमृत भी थी, जिसे लेकर देवताओं और असुरों में देवासुर युद्ध हुआ था और भगवान विष्णु की मदद से देवता इस युद्ध में अमृत को पाकर विजय प्राप्त कर पाए थे.लेकिन क्या आप जानते हैं कि समुद्र का मंथन करने का काम देवताओं के मन में आई कैसी थी? इस पूरे चक्रवे के पीछे एक रोचक कहानी हैं जिसे आज हम आपको बतायेंगे.विष्णु पुराण की एक कथा के अनुसार एक बार देवराज इन्द्र अपनी किसी यात्रा से बैकुंठ लोक वापस लौट रहे थे और उसी समय दुर्वासा ऋषि बैकुंठ लोक से बाहर जा रहे थे. दुर्वासा ऋषि ने ऐरावत हाथी में बैठे इन्द्रदेव को देखा तो उन्हें भ्रम हुआ कि हाथी में बैठा व्यक्ति त्रिलोकपति भगवान् विष्णु हैं. अपने इस भ्रम को सही समझ कर दुर्वासा ऋषि ने इन्द्र को फूलों की एक माला भेंट की लेकिन अपने मद और वैभव में डूबे देवराज इन्द्र वह माला अपने हाथी ऐरावत के सिर पर फेंक दी और ऐरावत हाथी ने भी अपना सिर झटक कर उस माला को जमीन पर गिरा दिया जिससे वह माला ऐरावत के पैरों तले कुचल गयी.दुर्वासा ऋषि ने जब इन्द्र की इस हरकत को यह देखा तो क्रोधित हो गए. उन्होंने ने इन्द्र द्वारा किये गए इस व्यवहार से खुद का अपमान तो समझा ही साथ ही इसे देवी लक्ष्मी का भी अपमान समझा.इन्द्र द्वारा किये गए इस अपमान के बाद दुर्वासा ऋषि ने इन्द्र की श्रीहीन होने का श्राप दे डाला. ऋषि द्वारा दिए गए श्राप के कुछ ही समय बाद इन्द्र का सारा वैभव समुद्र में गिर गया और दैत्यों से युद्ध हारने पर उनका स्वर्ग से अधिकार छीन लिया गया.अपनी इस दशा से परेशान होकर सभी देवता इंद्रदेव के साथ भगवान् विष्णु के पास पहुचे और इस समस्या का समाधान पूछा. तब भगवान् ने देवताओं को समुद्र मंथन कर स्वर्ग का सम्पूर्ण वैभव वापस पाने और मंथन से निकलने वाले अमृत का उपभोग करने का रास्ता सुझाया.देवताओं को भगवान् विष्णु द्वारा सुझाया गया यह मार्ग स्वीकार था लेकिन इस समाधान में एक दिक्कत यह थी कि समुद्र मंथन अकेले देवताओं के बस की बात नहीं थी उन्हें इसमें दैत्यों को भी शामिल करना आवश्यक था. देवता नारायण की इस बात के लिए राजी हो गए और उन्होंने दानवों के साथ मिल कर समुद्र मंथन किया.मान्यता हैं कि समुद्र मंथन से अमृत के अलावा धन्वन्तरी, कल्पवृक्ष, कौस्तुभ मणि, दिव्य शंख, वारुणी या मदिरा, पारिजात वृक्ष, चंद्रमा, अप्सराएं, उच्चैश्रवा अश्व, हलाहल या विष और कामधेनु गाय भी प्राप्त हुई थी.

लेकिन अमृतपान के लिए देवता और असुरों में युद्ध हुआ. भगवान् विष्णु की मदद से देवताओं ने यह युद्ध जीत लिया और अंततः देवताओं को अमृत की प्राप्ति हो पाई थी.

इंग्लिश फुटबॉलर जॉन टेरी ने लिया संन्यास

लंदन (आरएनएस)। पूर्व इंग्लिश कप्तान जॉन टेरी ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास की घोषणा कर दी और अब वह कोचिंग में अपनी नयी पारी की शुरुआत करेंगे।

चेल्सी क्लब के साथ लंबे समय तक रहे 37 साल के टेरी पिछले सत्र में एएटन विला के लिये कहानी कर चुके हैं। लेकिन बर्मिंघम का क्लब अब संभवतः उन्हें बतौर कोचिंग स्टाफ जोड़ना चाहता है। थिरो हेनरी भी स्टीव ब्रस की जगह मैनेजर के रूप में क्लब से जुड़ने जा रहे हैं, वहीं टेरी के भी कोचिंग स्टाफ का हिस्सा बनना लगभग तय माना जा रहा है।

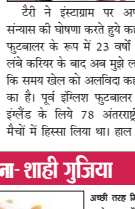

टेरी ने इंस्टाग्राम पर अपने संन्यास की घोषणा करते हुये कहा, फुटबालर के रूप में 23 वर्षों के लंबे करियर के बाद अब मुझे लगा कि समय खेल को अलविदा कहने का है। पूर्व इंग्लिश फुटबालर ने इंग्लैंड के लिये 78 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा लिया था। हाल ही में उन्हें स्मार्टक मॉस्को के लिये खेलने का मौका मिला था लेकिन उन्होंने यह कहकर इस प्रस्ताव से इंकार कर दिया कि उनके परिवार का रूस में रहना संभव नहीं है।

टेरी ने आखिरी मैच बतौर पेशेवर मई में चैंपियनशिप प्लेऑफ फाइनल में विला के लिये खेला था लेकिन फुलहम ने मैच में विला को 0-1 से हरा दिया था जिससे उनके प्रीमियर लीग में वापसी की संभावनाएं समाप्त हो गयीं।

यूथ ओलंपिक : 10 मीटर एयर राइफल में भारत के तुषार ने जीता रजत

ब्यूनस आयर्स (आरएनएस)। भारत के किशोर निशानेबाज तुषार साहू माने ने यहां जारी यूथ ओलम्पिक खेलों में रविवार को पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल निशानेबाजी स्पर्धा में रजत पदक जीता। तुषार फाइनल में 1.7 अंक से सोना जीतने से चूक गए। फाइनल में तुषार ने कुल 247.5 अंक हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया। स्वर्ण पदक रूस के ग्रिगोरी शामाकोव के नाम रहा, उन्होंने कुल 249.2 अंक अर्जित किए।

आज का राशिफल

मेष- आज आपका दिन मध्यम फलदायी रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आप शारीरिक थकान का अनुभव करेंगे। संभव हो तो यात्रा टालें।

वृषभ- आज आपका दिन शुभ फलदायी रहेगा। आप किसी भी कार्य को दृढ़ मनोबल एवं पूर्ण विश्वास के साथ कर पाएंगे। पिता से लाभ होने के योग हैं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए अच्छा और लाभदायी होगा। मित्र, बंधु-बांधव एवं पड़ोसियों के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे। आर्थिक रूप से आज आप शुभ रहेंगे।

कर्क- आज का दिन लाभदायक रहेगा। आज आपके मन में त्वचा हो सकती हैं। जो भी कार्य करेंगे उसमें आपको लोगों का सहयोग प्राप्त होगा।

सिंह- आज आपका दिन शुभ फलदायी होगा। आप आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। हर कार्य को दृढ़ विश्वास के साथ संपन्न कर पाएंगे। सरकारी कार्यों में तथा सरकार से लाभ होगा।

कन्या- आज आपका दिन मिश्रित फलदायी होगा। आज किसी के भी साथ आपके अहं का टकराव न हो, इस का विशेष ध्यान रखें। कोर्ट-कचहरी में सावधानी रखें।

तुला- आज का दिन शुभफलदायक और लाभप्रद है। मित्रों के साथ मिलना-जुलना या पर्यटन होगा। घर में आपका मन वातावरण रहेगा। संतान और जीवनसाथी से सुख संतोष अनुभव करेंगे। नौकरी व व्यवसाय के क्षेत्र में आय-वृद्धि होगी।

वृश्चिक- आज गृहस्थ जीवन की सार्थकता आपको समझ में आएगी। घर में आनंद उल्लास का वातावरण रहेगा। आपका हर कार्य सरलता से पूरा होगा।

धनु- गणेशजी आज आपको तकीरत का ध्यान रखने के लिए कहते हैं। काम करने में उत्साह उमंग का अभाव हो सकता है।

मकर- आज का दिन मिश्रित फलदायी रहेगा। नकारात्मक विचार मन में ना आने दें। छोटे को काबू में रखने से बहुत सी आफतों से बच जाएंगे। साझेदारों के साथ संबंध सरोकार हो सकता है।

कुंभ- आपका आज का दिन प्रसन्नतापूर्वक बीतेगा। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, जिसके कारण कार्य सफलता के लिए सरलता रहेगा। स्वभाव में गंभीरता आपको मन से स्फूर्तिमय रखेगा।

मीन- मन की दृढ़ता और आत्मविश्वास आपका कार्य सफल बनाएंगे। परिवार में सुख-शांति और आनंद का वातावरण रहेगा। छोटे के कारण आपकी वाणी और व्यवहार में उग्रता न आए, उसका ख्याल रखें। नौकरी में आपका वर्चस्व रहेगा।

खाना/खजाना- शाही गुजिया

सामग्री -
आटा गूंधने के लिए -
4 कप मैदा
6 बड़े चम्मच घी
तेल या घी
मावन के लिए -
6 कप मावा
एक चम्मच इलायची पाउडर
एक कप महीन कद्दूकस किया हुआ
3 बड़े चम्मच पिस्तामिल
5 बड़े चम्मच कटे हुए
4 कप चीनी का बूरा (पिसी हुई चीनी)
चाशनी के लिए - 4 कप चीनी, 4 कप पानी
विधि - गुजिया की बाहरी परत बनाने के लिए मैदा छान लें. इसमें घी मिलाएं और फिर जरूरत के हिसाब से पानी डालते हुए तख्ता गूंध लें. इसे थोड़ी देर के लिए गीले कपड़े से ढक कर रख दें. अब मावन तैयार करने के लिए मैदा पर कड़ाही गर्म करें. इसमें मावा डालकर मध्यम आंच पर 3 मिनट तक भूनें. मावा चलते रहें ताकि जले न. जब मावा सुनहरा हो जाए तो मैदा बंद कर दें.
अब बर्तन में मावा, चीनी का बूरा, पिस्तामिल, कसा हुआ नारियल, काजू, और इलायची पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं. इसे ठंडा होने के लिए रख दें. इसके बाद तैयार मैदे को छोटे-छोटे हिस्सों में बांट लें और हर हिस्से को गोल आकार देने के बाद छोटी रोटी में बेल लें. गुजिया बनाने का सांचा लें और इसमें घोलें तरफ हल्का तेल लगा दें. अब बेली हुई रोटी को इस सांचे में रखें और एक चम्मच के करीब तैयार की गई मावन की सामग्री को इसमें भरा दें. सांचा बंद करें और जो भी हिस्सा बाहर रह जाए, उसे हटा दें. इसी तरह सारे आटे से गुजिया तैयार करें और एक गीले कपड़े पर रखते जाएं. कढ़ाई में तेल या घी गर्म करें और मध्यम आंच पर एक बार में 4-5 गुजिया डीप फ्राई कर लें. जब गुजिया हल्की सुनहरी होने लगे तो इन्हें प्लेट में निकाल लें. इसी तरह सारी गुजिया तल लें. चाशनी तैयार करने के लिए तैल पर बर्तन में पानी गर्म करें इसमें चीनी डालकर घोलें. चीनी पिघलने तक चाशनी चलाते रहें. जब चीनी पिघल जाए तो मध्यम आंच पर चाशनी के पकाएं. चाशनी को उंगली में चिपकाकर देखें एक तार बनने तक इसे पकाएं. फिर गैस बंद कर दें. इसके बाद चाशनी में गुजिया डालकर घोलें. अब गुजिया को चाशनी से निकालकर प्लेट में रखें.

शब्द सामर्थ्य

शब्दों से शब्द

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. चादल, मेघ, जलद (से) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. फाराग्राफ, पील 11. चोर, शातिर, चालाक, शोषण 12. गणवेशों के रक्षक का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का पंच 20. 'स्वन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. गाय जाया हुआ, चपल किया हुआ 22. इमेशा, आजाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. होश।

ऊपर से नीचे

1. दीनी, अध्यायी 3. पास में ही अंक वाला पत्ता 4. लेखा, पताका 5. गहरा कोचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, गार, जाया हुआ, चपल किया हुआ 22. इमेशा, आजाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. होश।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 52 का हल

स्मृ	ति		पा	व	क			बे	ल
	र	ज	नी	च	र				रद्द
मु	स्का	न		न	म	की	न		
सा	र		स			ठ	ख	ना	
फि		अ	जा	य	य		रा	जा	
र	च	ना		था	ल			य	
		धि		र्थ		स	मा	ज	
उ	प	कृ	त		आ	वा	ज		
ल्लू		त			ब	ल	रा	म	

सू-ढोकू

	9		1	6		2		7
3								
	6					9		
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4				7		
	3			2	9		6	
6		7	3					4
	4			1		7	8	

सू-दोकू क्र.52 का हल

विधान
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें लम्बवत् का एक दोहरा कतारों के 2. हर खानों वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. वर्ग से दाएं और ऊपर से नीचे के क्रमांक कतारम्,कतार और कोने में उपरोक्त में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5